

इन पुराने संस्कारों का करना है विनाश

1. छोटी-छोटी बातों में फीलिंग
2. आवेश में आने के संस्कार
3. घृणा व जैलसी के संस्कार
4. परिस्थिति से घबरा जाना,
5. दिनचर्यानुसार नहीं चलना
6. ज्ञान-योग में रूचि न रखना
7. सेवा से कतराना
8. प्यार से सेवा नहीं करना
9. सम्मान की भावना की कम होना
10. स्वमान से विस्मृत रहना
11. व्यर्थ में समय बर्बाद करना
12. बिना अर्थ की बातों का चिन्तन करना
13. व्यर्थ बोलकर वातावरण बिगाड़ना
14. व्यर्थ संकल्पों से मन को कमजोर करना
15. दैहिक दृष्टि की आदत बनाए रखना
16. अनुमान, शंका करने की बीमारी
17. अपने कर्तव्यों की विस्मृति रहना
18. अनावश्यक सूचना एकत्रित करना
19. विनाशी साधनों की आकर्षण में रहना
20. मोबाइल, टी.वी.में ज्यादा दिलचस्पी
21. योग को साधारण समझना
22. अल्पकाल के साधनों का संग्रहण करना
23. खाने-पीने में ज्यादा आसक्ति रखना
24. देह को सजाने संवारने का शौक
25. देह की संभाल में कुछ ज्यादा ही सोचना

26. अपने कर्तव्यों के प्रति सजग नहीं रहना
27. यज्ञ की निष्ठापूर्वक संभाल न करना
28. एक-दो को नीचा दिखाना
29. ज्यादा-घूमने फिरने की आदत
30. ज्ञान की विस्मृति के संस्कार
31. लौकिकता की स्मृति में ज्यादा रहना
32. ज्यादा फेमलियरीयटी में आना
33. राजयोग के विभिन्न अभ्यास न करना
34. ब्राह्मण परिवार से किनारा करना
35. किसी की विशेषताओं पर प्रभावित होना
36. किसी विशेष से लगाव या मोह रखना
37. बार-बार बीमारी का वर्णन करना
38. बीती बातों का चिन्तन करना
39. किसी की कमजोरियों का वर्णन करना
40. असफलता पर दिलशिकस्त हो जाना
41. बार-बार पश्चाताप करने के संस्कार
42. सुषुप्त आत्मिक शक्ति को जागृत न करना
43. सम्बन्धियों से बार-बार नाता जोड़ना
44. टोन्ट अथवा कटाक्ष करने की आदत
45. रोने व रूसने के संस्कार
46. लड़ाई-झगड़ा करने के संस्कार
47. अपने प्रति हीन भावना रखना
48. आलस्य व अलबेले के संस्कार
49. बहानेबाजी के संस्कार
50. ज्यादा सोचने की आदत.. आदि।